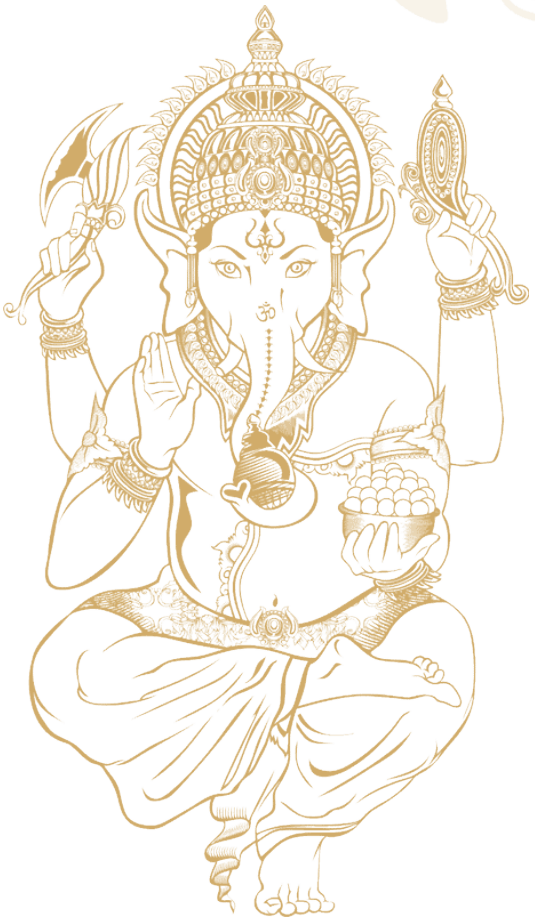

Abhisekh Santos

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121207302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17-18/11/2000	जन्म तिथि	24/08/2000
शुक्र-शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:08:00	जन्म समय	12:15:00 घंटे
घटी 53:19:54	जन्म समय(घटी)	15:54:23 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Yamunanagar
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:02	सूर्योदय	05:53:14
17:23:06	सूर्यास्त	18:52:23
23:51:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

विंशोत्तरी बुध 9वर्ष 0मा 16दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 5वर्ष 0मा 17दि
शुक्र	27:02:32	कन्या	लग्न	तुला	28:47:49	गुरु
04/12/2016	02:01:34	वृश्चि	सूर्य	सिंह	07:32:30	11/09/2023
04/12/2036	22:54:19	कर्क	चंद्र	वृष	27:03:15	11/09/2039
शुक्र 05/04/2020	14:38:43	कन्या	मंगल	कर्क	21:04:20	गुरु 29/10/2025
सूर्य 05/04/2021	13:06:49	तुला	बुध	सिंह	09:47:16	शनि 11/05/2028
चन्द्र 05/12/2022	13:39:19	वृष व	गुरु	वृष	15:17:00	बुध 17/08/2030
मंगल 04/02/2024	11:56:44	धनु	शुक्र	सिंह	27:42:18	केतु 24/07/2031
राहु 04/02/2027	03:45:19	वृष व	शनि	वृष	06:47:13	शुक्र 24/03/2034
गुरु 05/10/2029	22:56:02	मिथु	राहु	कर्क	00:12:09	सूर्य 10/01/2035
शनि 04/12/2032	22:56:02	धनु	केतु	मक	00:12:09	चन्द्र 11/05/2036
बुध 05/10/2035	23:14:34	मक	हर्ष व	मक	24:28:10	मंगल 17/04/2037
केतु 04/12/2036	10:14:11	मक	नेप व	मक	10:36:31	राहु 11/09/2039
	18:13:59	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:17:36	

लग्न-चलित

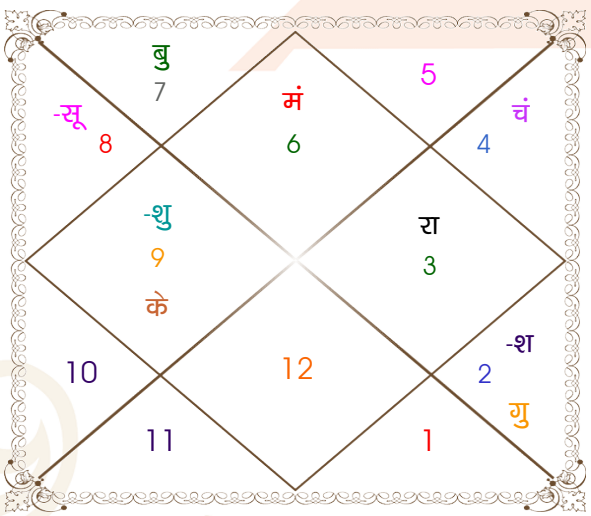

लग्न-चलित

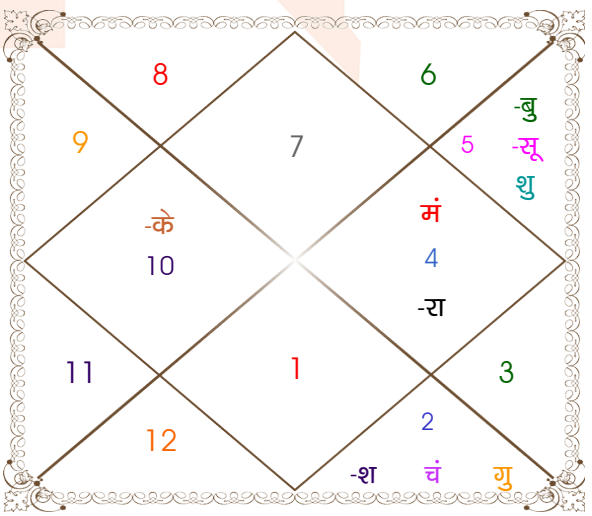

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

।ड़ीपेमी का वर्ग श्वान है तथा ँदजवे का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ड़ीपेमी और ँदजवे का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

।ड़ीपेमी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

ँदजवे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

।ड़ीपेमी तथा ँदजवे में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।